Vardaan Utsav
Jaipur (Rajasthan)

व्यक्ति स्वयं के सुख दुख के लिए जिम्मेदार

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर

परमब्रह्म उपासक स्वामी सतीश ने कहा कि सुख दुःख के लिए व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार है। ईश्वर अच्छे कर्म के लिए पुरस्कृत और बुरे कर्म के लिए दण्डित करता है।

स्वामी रविवार शाम जेएलएन मार्ग स्थित इंदिरा गांधी पंचायतीराज सभागार में वरदान स्पीरिचुवल फाउण्डेशन के वरदान उत्सव में प्रवचन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दुर्गण, काम इच्छाएं, क्रोध, अहंकार, लोभ व मोह के सोचा-विचार से दुख-सुख बनते हैं। आदतों से व्यक्ति का व्यक्तित्व बनता है जिसका कोशिकाओं पर भी प्रभाव पड़ता है। व्यक्ति साकारात्मक, सामान्य, नकारात्मक और बेकार विचार को देखकर दूसरों के मन की स्थिति का पता लगा सकता है और दूसरों का मूड ठीक कर सकता है मगर स्वंय का मूड ठीक नहीं कर पाता। उन्होंने कहा कि उत्तम समय नहीं आता बल्कि समय को उत्तम बनाना पड़ता है। उन्होंने बताया कि माता-पिता ही ऐसे जीव है जो अपनी संतान की खुशियों का ध्यान रखते है। ऐसे में संतान की जिम्मेदारी है कि वो माता-पिता के बुढ़े होने तक उनकी पूरी तन्मयता से सेवा करे और उनसे आर्शीवाद प्राप्त करे।

इससे पूर्व मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री के ओएसडी देव रत्न शर्मा ने कहा कि जहां अध्यात्म है वहां मानसिक शारीरिक सुख है। पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में आकर आज युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति को भूल रही है। विश्वगुरु कहलाने वाले भारत के साथ देश, समाज और परिवार के अतीत को जानने का युवा प्रयास करें और अपनी संस्कृति को जीवन में अंगीकार करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता फाउण्डेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमपाल सिंह कश्यप ने की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि समाज सेवक राजेश गोयल थे। मुख्य द्वार पर मुख्य प्रबंधक श्रीमती मन्नु, संयोजक जागृति चौकसी आदि ने स्वामीजी का स्वागत किया।

Vardaan Utsav
Jaipur (Rajasthan)

लक्ष्य प्राप्ति के लिए जरूरी आध्यात्मिकता

जयपुर ● वरदान स्पिरिचुअल फाउंडेशन-ए होली सेंटर की ओर से इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में वरदान उत्सव व भजन संध्या का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ गणेश पूजा से हुआ। इस अवसर पर स्वामी सतीश ने आध्यात्मिकता का महत्व बताया। कहा कि प्रार्थना में शक्ति होती है। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आध्यात्मिकता का होना जरूरी है। उन्होंने आध्यमिकता के साथ ही विज्ञान और आधुनिक जीवनशैली पर भी प्रकाश डाला। मुख्य आयोजक हर्षवर्धन सिंह राठौड़ ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमपाल सिंह कश्यप ने की और विशिष्ट अतिथि मप्र के मुख्यमंत्री के आएसडी देव रतन शर्मा थे। इस अवसर पर समाज सेवक राजेश गोयल और फाउंडेशन से जुडे महिला-पुरुष उपस्थित रहे।

की ओर से 'भूम मचाले गर्ल
का सेमीफाइनल राउंड
आयोजित किया ग
कोरियोग्राफर सुलखसना
राय के दिशा-निर्देशन में
ने हिंदी गानों पर अपन

बर्ड फ्रीड

जयपुर ● परिंदों की
10 सितंबर को बर्ड
किया जाएगा। शहर
ओर से यह मुहिम
तीन साल से इस
आजादी के लिए
विपिन कुमार जैन
बताया कि पिछले

'धर्म अ

Vardaan Utsav
Jaipur (Rajasthan)

वरदान उत्सव आयोजित

'प्रार्थना से बनती है मानसिक एकाग्रता'

जयपुर (धा.सं.)। वरदान स्प्रीच्युवल फाउण्डेशन-ए होली सेन्टर की ओर से रविवार को वरदान उत्सव का आयोजन इन्दिरा गांधी पंचायती राज भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता फाउण्डेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमपाल सिंह कश्यप ने की । विशिष्ट अतिथि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के ओएसडी देवदत्त शर्मा और समाजसेवी राजेश गोयल थे। इस मौके पर स्वामी सतीश ने कहा कि प्रार्थना में शक्ति होती है। प्रार्थना से मानसिक एकाग्रता बनती है। लक्ष्य प्राप्ति के लिए अध्यात्म का जानना जरूरी है। भजन गायक महेश शर्मा ने श्याम प्रभु व शिव महिमा से भरे भजनों की प्रस्तुति दी । स्वामी सतीश ने कहा कि भारतीय दर्शन में पूरी प्रकृति को पंचतत्वों से बना हुआ बताया गया है। पृथ्वी, जल, आकाश, अग्नि और वायु से प्रकृति और समस्त जीवों को निर्मित बताया गया है। इन पंचतत्वों के मूल में परमब्रह्म का वास बताया गया है। जीव की यही गूढता सदियों पहले मानव जीवन का अनुशासन हुआ करती थी और व्यक्ति आध्यात्म के बहुत करीब रहता था। और यही वजह है कि वह मानसिक, शारीरिक रुप से स्वस्थ्य तो सामाजिक और आर्थिक रूप से समृद्ध भी रहता था। सभ्यता और आध्यात्म के यही ताना बाना रविवार शाम स्वामी श्री सतीश के श्रीमुख से सुनने को मिला। 10 साल से मानवसेवा के लिए कृत संकल्पित संस्था वरदान फाउंडेशन ने आमजन के दुख दूर करने के लिए चिकित्सा विज्ञान के साथ ही स्प्रिच्युअलिटी को भी आत्मसात किया। स्वामी श्री सतीश जी उसी स्प्रिच्युअल पॉवर का जरिया बने। स्वामी सतीश का कहना है कि बदलते आधुनिक दौड़ में हम जीवन की इसी गूढता के मूल को भूल गए हैं और इसी वजह से मानसिक, शारीरिक कष्टों से घिरे हैं। धन के लिए भाग रहे हैं लेकिन फिर भी अर्थ हानि और सामाजिक अपमान के भय से हमेशा डरे हैं। वरदान स्प्रिच्युअल फाउंडेशन की मुख्य प्रबंधक श्रीमति मन्नु ने कहा कि मानव जीवन को फिर सेआध्यात्मक की गूढता से जोड़कर स्वामी सतीश जी की ओर से मार्गदर्शन दिया जा रहा है।

एकल नृत्य में सुहानी, युगल में सक्षम प्रथम

केकड़ी (निसं.)। विशुद्ध महिला मण्डल के तत्वाधान में श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन मंदिर बोहरा कॉलोनी में चल रहे पर्यूषण पर्व के दौरान उत्तम त्याग धर्म दिवस में 8 वर्ष से 12 के बच्चों की एकल व युगल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महिला मण्डल द्वारा दीप प्रज्जवलन किया गया। प्रतियोगिताओं में बच्चों ने एक से बढ़कर एक शानदार कार्यक्रम प्रस्तुत किए। एकल नृत्य में प्रथम स्थान सुहानी जैन पुत्री चेतन जैन, डॉली जैन द्वितीय स्थान व अनुष्का जैन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

जैन सोशल
बैठक आर

केकड़ी (निसं.)।
ग्रुप की बैठक उ
गंगवाल के नेतृत्व मे
पर हुई। जिसमें
निर्णय लिए गए
सितम्बर को प्रातः 4
चैत्यालय से शांति
बघेरा पदयात्रा आ
निर्णय लिया गया।
इसी दौरान
कलशाभिषेक,
शांतिनाथ विधान
विशेष पूजन आर
कार्यक्रम व्यवस्था
शाह, आशीष सोनी
नरेश जैन, महेंद्र
पाण्डया को दायि

टक्कर म

जयपुर (कास
वाली मर्सिडीस
कर लिया, लेकिन
मालिक का बेटा
शनिवार रात क
वायरलैस पर मैर
वाहनों के टक्कर
ज्योति नगर पुलि
कार से बाहर नि
जा रहा था। पु
विधायकपुरी
स्थित किसी
के कारण उससे
गिरफ्तार कर
में जब्त कर
लग्जरी कार

Vardaan Utsav
Jaipur (Rajasthan)

गुरुदेव दया करके हमको अपना लेना...

वरदान उत्सव के आध्यात्मिक समागम में उमड़ा सैलाब

जयपुर,(कासं): वरदान स्प्रिच्युअल फाउंडेशन,ए होली सेन्टर की ओर से रविवार को अद्‌भुत आध्यात्मिक समागम का आयोजन जेएलएन मार्ग स्थित इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में हुआ। समागम में गुलाबी नगरी के प्रबुद्धजनों, फाउंडेशन के पदाधिकारी,अनेक राजनीतिक हस्तियां और गणमान्य अतिथियों ने शिरकत की। आध्यात्मिक समागम के वरदान उत्सव का शुभारंभ शाम को गणेशजी की पूजा-आरती से हुआ। इस दौरान भजन गायकों ने वंदना में गुरुदेव दया करके हमको

वरदान उत्सव में प्रवचन करते स्वामी सतीश।

अपना लेना,करुणानिधि नाम तेरा,सोए हुए भाग्य को जगा देना आदि गाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।स्वामी सतीशजी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि मैं किसी समस्या या विषय में आपका सहायक हूं,समाधान नहीं,ज्ञान लिया जा सकता है,ज्ञान दिया नहीं जाता और विवेक व आस्था साथ-साथ नहीं हो सकते। उन्होंने बताया कि वो मनुष्य जीवन में ज्यादा सुखी होते हैं जो अपनी खुशियों से पहले दूसरों की खुशियों का ध्यान रखते हैं। सेवा भाव अवश्य ही सुख की राह पर एक सुंदर कदम है।

फाउंडेशन की मुख्य सचिव मनुजी ने बताया कि वरदान स्प्रिच्युअल फाउंडेशन ए होली सेन्टर का जैसा नाम है,वैसा ही काम आज सभी के सामने है। फाउंडेशन की ओर से मानवता के साथ ही हर प्राणी के लिए लगभग 10 साल से अपना योगदान दे रही यह संस्था लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है। देश के कई विहंगम और सुदूर क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को मानसिक,शारीरिक कष्टों से निजात दिलाई जा चुकी है।

बर्ड फ्रीडम दे 10 ...

Vardaan Utsav
Jaipur (Rajasthan)

Vardaan Utsav
Jaipur (Rajasthan)

Vardaan Utsav
Jaipur (Rajasthan)